Rohtas Mahila College, Sasaram, 24.07.20
Dr. Aman Murmu, Dept of Psychology, B.A Part I H, Pr-I
2019-22

(Topic - अच्छी स्मृति की विशेषताएँ) :- अच्छी स्मृति की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं :-

(i) शीघ्र धारण (Quick Retention) - अच्छी स्मृति की एक पहचान शीघ्र शिक्षण है। यदि कोई बालक किसी विषय को जल्दी सीख ले तो उसकी स्मृति को अच्छी स्मृति कहेंगे। दूसरी ओर दूसरा बालक उसी विषय को देर से सीखे तो उस उसकी स्मृति को बुरी स्मृति कहा जाएगा।

(ii) शुद्ध धारण (Correct Retention) :- अच्छी स्मृति की एक पहचान यह भी है कि व्यक्ति किसी विषय को शुद्ध शुद्ध सीखे। जो व्यक्ति किसी विषय को जितना ही सही रूप में सीखता है, उसके स्मरण को उतना ही अधिक अच्छा समझा जाता है।

(iii) लम्बी धारणा (Long Retention) :- अच्छी स्मृति की एक आवश्यक शर्त लम्बी धारणा है। यदि कोई बालक किसी सीखे गये विषय को लम्बे समय तक याद रखता है तो समझा जाता है कि उसकी अच्छी स्मृति है। यदि कोई दूसरा बालक उस विषय को याद करने के बाद तुरन्त भूल जाता है तो उसे बुरी स्मृति कहा जाता है।

(iv) शीघ्र प्रत्यावाह्न (Quick Recall) - अच्छी स्मृति का एक लक्षण यह है कि सीखे गये विषय का शीघ्र प्रत्यावाह्न प्रत्यावाह्न हो सके। व्यक्ति सीखी गयी बातों को जितनी ही जल्दी प्रत्यावाह्न करने में सफल होता है, उसका स्मरण उतना ही अच्छा समझा जाता है। जो व्यक्ति अपने अनुभव को जितना ही विलम्ब से व्यक्त करता है, उसका स्मरण उतना ही बुरा माना जाता है।

(v) सामयिक प्रत्यावाह्न (Timely recall) :- अच्छी स्मृति के लिए यह भी आवश्यक है कि सीखी गयी सामग्री का प्रत्यावाह्न समय पर किया जा सके। जो व्यक्ति सीखे गये विषय को आवश्यकता के अनुसार समय पर व्यक्त करने में सफल होता है, उसकी स्मृति को अच्छी स्मृति की संज्ञा दी जाती है। सीखे गये विषय को समय पर व्यक्त करने की असफलता बुरी स्मृति की पहचान है। यदि किसी छात्र

Scanned with CamScanner

को परीक्षा भवन में कोशिश करने पर भी किसी प्रश्न का उत्तर याद नहीं आये, और भवन से निकलते ही याद आ जाय तो उसे हम बुरी स्मृति कहेंगे।

(vi) शुद्ध प्रत्यावाह (correct recall) :- अच्छी स्मृति की एक विशेषता यह है कि सीखी गयी सामग्री का प्रत्यावाह सही हो। यदि कोई बालक अपने पाठ को उसी रूप में दुहरा देता है, जिस रूप में उसे याद किया था, तो उसकी स्मृति को अच्छी स्मृति कहेंगे। दूसरी ओर यदि वह पाठ के कुछ अंशों को शुद्ध रूप में और कुछ अंशों को अशुद्ध रूप में व्यक्त करता है तो उसे बुरी स्मृति कहेंगे।

(vii) पूर्ण प्रत्यावाह :- जहाँ पूर्ण प्रत्यावाह अच्छी स्मृति की पहचान है, वहाँ अपूर्ण या आंशिक प्रत्यावाह बुरी स्मृति की पहचान है। यदि कोई व्यक्ति सीखे गये विषय को पूर्ण रूप से शुद्ध शुद्ध दुहराता है तो उसे अच्छी स्मृति कहेंगे और यदि उस विषय के केवल कुछ ही अंशों को दोहराने में सफल होता है तो उसे बुरी स्मृति कहेंगे।

(viii) सहज प्रत्यावाह (easy recall) :- यदि किसी व्यक्ति को अपने पूर्व अनुभवों को चेतना में लाने या व्यक्त करने में अधिक मेहनत नहीं करना पड़े तो उसका अर्थ यह है कि उसकी स्मृति अच्छी है। यदि उसे अपने पूर्व अनुभवों को व्यक्त करने में अधिक कठिनाई महसूस हो तो उसका अर्थ यह है कि उसकी स्मृति अच्छी नहीं है।

(ix) स्मरण विस्तार :- स्मरण विस्तार :- स्मरण विस्तार जितना ही अधिक अधिक होता है, स्मरण उतना ही अच्छा समझा जाता है। यदि एक व्यक्ति का स्मरण विस्तार 5 अक्षरों के बराबर बराबर और दूसरे व्यक्ति का स्मरण विस्तार 7 अक्षरों के बराबर हो तो दूसरे व्यक्ति की स्मृति अधिक अच्छी मानी जाएगी।

Scanned with CamScanner